नईदुनिया

भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, व्हिस्की व ब्यूटी प्रोडक्ट होंगे सस्ते

इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में हर साल 25.5 अरब पाउंड की होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

भारत-ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौता लागू होने की तारीख का ऐलान कर दिया है। अगले महीने 15 जुलाई से ये प्रभावी हो जाएगा। एफटीए लागू होने के साथ ही आयात-निर्यात किए जाने वाले सामनों पर भारी टैरिफ कटौती भी देखने को मिलेगी। समझौते के तहत भारत में व्हिस्की पर लगने वाला टैरिफ 150फीसदी से घटकर सिर्फ 40फीसवदी हो जाएगा। इसके साथ ही ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि लान्गटर्म में इस करार से द्विपक्षीय व्यापार में प्रति वर्ष 25.5 अरब पाउंड की बढ़ोतरी होगी। दोनों देशों ने इस एफटीए का ऐलान करते हुए कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के लिए ये मील का पत्थर साबित होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएस सरकार की ओर से कहा गया है कि भारत-ब्रिटेन के व्यवसायों को अब समझौते को लागू करने की तैयारी के लिए 28 दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद वे नई शर्तों के तहत व्यापार कर सकेंगे। ब्रिटिश अनुमानों के मुतारबिक इस समझौते से ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 4.8 अरब पाउंड का इजाफा होगा और वास्तविक वेतन में 2.2 अरब पाउंड की वृद्धि देखने को मिलेगी। लंदन इस समझौते को भारत द्वारा अब तक लागू किया गया सबसे बड़ा व्यापक व्यापार समझौता बता रहा है। एफटीए लागू होने के बाद जो चीजें सस्ती होंगी। उनमें सबसे ज्यादा लाभ ब्रिटेन के स्काच व्हिस्की बिजनेस को होगा। भारत ने व्हिस्की पर आयात शुल्क 150फीसदी से घटाकर 40फीसदी करने पर सहमति जताई है। इसके अलावा कोटा व्यवस्था के तहत आटोमोबाइल पर टैरिफ भी 100फीसदी से घटाकर सिर्फ 10फीसदी कर दिया जाएगा। ब्यूटी प्रोडक्ट्स समेत कई अन्य उत्पादों पर लगने वाले 22फीसदी तक के टैरिफ को या तो एफटीए के तहत तत्काल या फिर 10 सालों तक की अवधि में खत्म कर दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर ब्रिटेन भारतीय निर्यात पर टैरिफ कट या इसे कम करेगा। इनमें कपड़े, जूते और कुछ फूड प्रोडक्ट्स शामिल हैं। इस कदम से उपभोक्ताओं के लिए कीमतें कम होंगी और उन्हें ज्यादा विकल्प मिलेंगे। ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मामलों के राज्य सचिव पीटर काइल ने कहा कि हम भारत के साथ अपने ऐतिहासिक व्यापार समझौते को जितनी जल्दी हो सके लागू कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईटी क्षेत्र में भारी गिरावट से बाजार में हड़कंप, सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा लुढ़का] निफ्टी 24,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में शुक्रवार को जोरदार गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में तेज बिकवाली थी। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज एक्सेंचर के निराशाजनक राजस्व अनुमानों ने आईटी सेक्टर की भविष्य की वृद्धि को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ा दीं, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी दिखा। बाजार खुलते ही प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट देखने को मिली और दिनभर दबाव बना रहा। सुबह शुरुआत में बाम्बे स्टाक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 76,706.86 पर आ गया। वहीं नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 इंडेक्स 191.45 अंक गिरकर 23,976.55 पर कारोबार कर रहा था। एक्सेंचर द्वारा जारी कमजोर राजस्व अनुमानों के बाद वैश्विक स्तर पर आईटी कंपनियों की ग्रोथ आउटलुक पर सवाल उठने लगे, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों पर देखा गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव आईटी सेक्टर पर रहा, जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट में दिग्गज आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर सबसे आगे रहे, जिन्होंने निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। व्यापक बाजार में भी कमजोरी का माहौल रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी स्मालकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे थे।

हुंडई ने किया आई20 का नया चौथा-जेनरेशन माडल बाज़ार में पेश

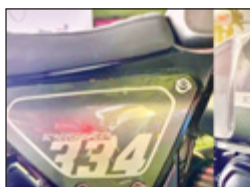

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी हुंडई ने अपनी हैचबैक कार, आई20 का बिल्कुल नया, चौथा-जेनरेशन माडल वैश्विक बाज़ार में पेश कर दिया है। सबसे रोमांचक खबर यह है कि इस कार को जल्द ही 48-वोल्ट की माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रान्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन मिलने की उम्मीद है, जिससे इसका माइलेज शानदार हो जाएगा। कंपनी ने इसे हाल ही में ब्राजील में लान्च किया है। नई आई20 का डिजाइन बेहद आकर्षक और मस्कुलर है। इसमें आगे और पीछे दोनों तरफ पूरी चौड़ाई को कवर करने वाली चमचमाती कनेक्टेड एलईडी लाइट बार दी गई है, जो रात के वक्त गजब का लुक देती है। साथ ही, कार के चारों तरफ दी गई ब्लैक बाडी क्लैडिंग और नए स्टाइल के अलाय व्हील्स इसे एक दमदार और ऊंची गाड़ियों वाला स्टांस देते हैं। बड़े साइज के कारण अब इसके केबिन में पहले से ज्यादा खुला स्पेस और सामान रखने के लिए बड़ा बूट स्पेस मिलता है। इंटीरियर में पूरी तरह बदला हुआ केबिन है, जिसमें 12.3-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 12.3-इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले एक साथ जुड़े हुए मिलते हैं। फीचर्स में इन-बिल्ट 5जी कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जर, इलेक्ट्रानिक पार्किंग ब्रेक, पैडल शिफ्टर्स और हुंडई के इतिहास में पहली बार ओवर-द-एयर (ओटीए) साफ्टवेयर अपडेट की सुविधा शामिल है। वर्तमान में इसमें 1.0-लीटर के दो पेट्रोल इंजन विकल्प (नेचुरली एस्पिरेटेड और टर्बो) उपलब्ध हैं। न्यूज़ वेबसाइट रशलेन के अनुसार, हाइब्रिड तकनीक के जुड़ने से यह कार न केवल दमदार परफार्मेंस देगी, बल्कि ईंधन दक्षता में भी बेजोड़ होगी।

रायल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने उतरी येज्दी और बीएसए

नई दिल्ली। महंगी बाइक निर्माता कंपनी रायल एनफील्ड को कड़ी टक्कर देने के लिए, येज्दी और बीएसए अब भारतीय बाजार में एंट्री करने वाली है। रायल एनफील्ड को टक्कर देने अपनी नई येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 की रिटेल बिक्री नई दिल्ली में अपने आफिशियल डीलरशिप पर शुरू कर दी है। ये ब्रांड अपनी मूल स्क्रैम्बलर विरासत को आगे बढ़ाते हुए, उन राइडर्स के लिए दो बेहतरीन मोटरसाइकिलें लेकर आए हैं जो शहरों में सहज, हाईवे पर संतुलित और उबड़-खाबड़ रास्तों पर रोमांचक सवारी चाहते हैं। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 और बीएसए स्क्रैम्बलर 650 में खास तौर से तैयार किए गए पावरट्रेन और मजबूत, आकर्षक डिज़ाइन दिया गया है। येज्दी स्क्रैम्बलर 350 भारत की सबसे हल्की 350सीसी स्क्रैम्बलर है, जिसे शहरी आवागमन और वीकेंड के सफर दोनों के लिए इंजीनियर किया गया है।

पश्चिम एशिया संकट बेअसर भारत में रेमिटेंस की बंपर आवक

अप्रैल में 16 अरब डालर पहुंचा धन प्रेषण, वित्त वर्ष 26 में 144.79 अरब डालर के ऐतिहासिक स्तर पर

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संकट और खाड़ी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों की बाधाओं के बावजूद भारत को विदेशों में रह रहे भारतीय प्रवासियों से धन प्रेषण (रेमिटेंस) लगातार मजबूत बना हुआ है। बैंकरों का मानना है कि प्रवासियों द्वारा अनिश्चितता के दौरान एहतियाती तौर पर अधिक धन भेजने, अनुकूल विनिमय दरों और नए स्रोतों से मिलने वाले लाभ ने इस वृद्धि को रफ्तार दी है। भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 के अप्रैल में शुद्ध धन प्रेषण 16 अरब डालर के प्रभावशाली स्तर पर पहुंच गया, जो पिछली तिमाही के मासिक औसत से काफी अधिक है। निजी क्षेत्र के एक वरिष्ठ बैंकर ने बताया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के बावजूद रेमिटेंस काफी दमदार रहा है। अप्रैल में इसकी रफ्तार काफी मजबूत दिखी थी, जो मई और जून के पहले पखवाड़े तक जारी रही। इस अवधि में सालाना और महीने के आधार पर आवक में दमदार वृद्धि बरकरार रही। बैंकरों ने इस बात पर जोर दिया कि कई लोगों द्वारा जताई गई आशंकाओं के विपरीत, पश्चिम एशिया संघर्ष का रेमिटेंस पर कोई खास प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। इसके उलट, अनिश्चितता के दौरान प्रवासी कामगार अक्सर अपने परिवारों को अधिक धन भेजते हैं, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। साथ ही अनुकूल विनिमय दरें भी उच्च प्रेषण को प्रोत्साहित कर रही हैं। भारत को धन प्रेषण के नए स्रोत बनने का लाभ भी मिल रहा है, जिससे इसकी मजबूती बरकरार है। हालांकि, बैंकरों ने आने वाले महीनों में कुछ नरमी की आशंका भी जताई है, क्योंकि मौजूदा रफ्तार अनिश्चित काल तक बरकरार रहने की संभावना नहीं है। भू-राजनीतिक तनाव कम होने पर धन प्रेषण की गति सामान्य हो सकती है। फिर भी, वित्त वर्ष 2027 में रेमिटेंस पिछले साल के मुकाबले अधिक रहने की उम्मीद है और कुल मिलाकर यह मोटे तौर पर स्थिर बना रहेगा। एक अन्य बैंकर के अनुसार क्षेत्रीय तनाव कम होने पर भी धन प्रेषण की रफ्तार सुस्त पड़ सकती है, लेकिन खाड़ी देशों में पुनर्निर्माण और निर्माण गतिविधियों से रोजगार के अतिरिक्त अवसर पैदा हो सकते हैं, जिससे मध्यावधि में धन प्रेषण को और रफ्तार मिलेगी। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में मासिक औसत आवक 13.7 अरब डालर थी, जबकि अप्रैल 2027 में यह 16 अरब डालर रही। यह इस बात का प्रमाण है कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में उत्पादन गतिविधियां प्रभावित होने के बावजूद धन प्रेषण पर प्रभाव फिलहाल मामूली रहा है। पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में धन प्रेषण लगातार बढ़ा है, जो वित्त वर्ष 2021 के 74.44 अरब डालर से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 में 144.79 अरब डालर तक पहुंच गया है।

जियो आईपीओ की लिस्टिंग डेट का ऐलान हो सकता है : रिलायंस की 49वीं एजीएम में मिलेगा बड़ा संकेत; रिटेल के आईपीओ पर भी नजर

मुंबई। रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी 49वीं एनुअल जनरल मीटिंग होगी। इस बार निवेशक किसी नए बिजनेस के ऐलान के बजाय इस बात पर क्लैरिटी चाहते हैं कि जियो प्लेटफार्म्स की लिस्टिंग कब होगी। पिछले साल रिलायंस ने इस आईपीओ का ऐलान किया था और संकेत दिया था कि जियो को 2026 की पहली छमाही में लिस्ट किया जा सकता है। रिलायंस रिटेल के आईपीओ का भी ऐलान हो सकता है जियो के साथ-साथ, निवेशक रिलायंस रिटेल के संभावित आईपीओ को लेकर भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। नए स्टोर खोलने, लगातार बढ़ती ग्राहकों की संख्या और डिजिटल व क्विक-कामर्स चैनलों में ग्रोथ के दम पर रिटेल बिजनेस ग्रुप के सबसे अहम ग्रोथ इंजनों में से एक बनकर उभरा है।

एसयूवीकोडियाक आरएस होगी 22 जून को पेश

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी स्कोडा आटो इंडिया अपनी परफारमेंस एसयूवी, कोडियाक आरएस, को 22 जून को पेश करने वाली है। इसकी लीक तस्वीरें देखकर आरएस बैज वाली एसयूवी स्कोडा की सबसे बेहतरीन पेशकश मानी जा रही है, जो ब्रांड की 50 सालों से अधिक पुरानी आरएस विरासत और 125 सालों के मोटरस्पोर्ट इतिहास को आगे बढ़ाएगी।

लीक हुई तस्वीरों में कोडियाक आरएस शानदार लाल रंग में दिखी है, जिसमें आरएस ग्रिल, फ्रंट-सीट मोटिफ्स पर लाल सिलाई और पिछले हिस्से पर वीआरएस बैज लगे हैं। सिग्नेचर आरएस ग्रिल के साथ इसका अगला हिस्सा अब स्टैंडर्ड कोडियाक के मुकाबले बड़े एयर वेंट्स के साथ ज्यादा स्पोर्टी दिखता है। यह दमदार परफार्मेंस, शानदार मोटरस्पोर्ट कैरेक्टर, 7-सीटर लग्जरी की मल्टी-यूटिलिटी और 4गुणा4 टेक्नोलाजी से लैस बेहतर आल-टेरेन कैपेसिटी का बेहतरीन मेल है। इसमें हैंकूक के 20-इंच के टायर, लाल ब्रेक कैलिपर्स वाले सिग्नेचर आरएस अलाय व्हील्स और लेदर अपहोल्स्ट्री पर लाल सिलाई ध्यान आकर्षित करती है। केबिन में 13-इंच की इंफोटेनमेंट स्क्रीन भी दी गई है। कोडियाक आरएस में 2.0-लीटर टीएसआई इंजन और 7-स्पीड डीएसजी गियरबाक्स का सेटअप है, जो 261 बीएचपी की पावर और 400 एनएम का टार्क जनरेट करता है। यह स्टैंडर्ड वर्जन (201 बीएचपी) से कहीं ज्यादा शक्तिशाली है और मात्र 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। अब कोडियाक आरएस, जो भारत में प्रतिष्ठित आरएस बैज पाने वाली पहली 7-सीटर एसयूवी और देश की अब तक की सबसे तेज स्कोडा है, इस विरासत को आगे बढ़ाएगी। स्कोडा आटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने बताया कि आक्टाविया आरएस की सभी यूनिट्स पिछले साल केवल 20 मिनट में बिक गई थीं, जिसने आटोमोबाइल उत्साहियों के बीच इसकी खास लोकप्रियता को साबित किया।

आगामी 2 माह में 6 नई धांसू एसयूवी एंट्री के लिए तैयार

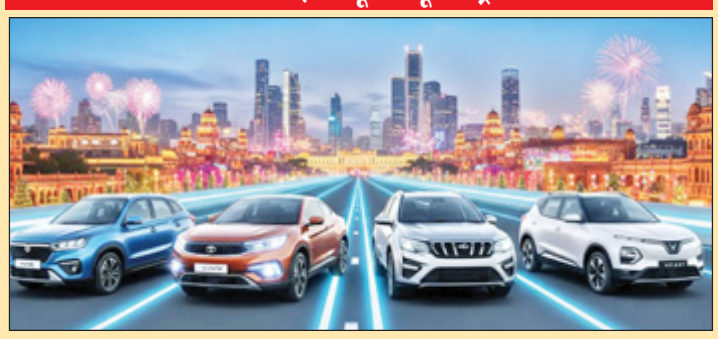

नई दिल्ली। कई कार निर्माता कंपनियां भारतीय आटोमोबाइल बाजार में तेजी से नए माडल लान्च कर रही हैं। आगामी दो महीने 6 नई धांसू एसयूवी भारतीय सड़कों पर दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार हैं, जिनमें कई इलेक्ट्रिक माडल भी शामिल हैं। इनमें सबसे बड़ा नाम टाटा सिएरा ईवी का है, जो 90 के दशक की मशहूर सिएरा का आधुनिक इलेक्ट्रिक अवतार है। टाटा मोटर्स इसे इसी महीने के अंत तक पेश करेगी, जिसमें 55 केडब्ल्यूएच से लेकर 75 केडब्ल्यूएच तक के बड़े बैटरी पैक मिल सकते हैं, जो एक बार चार्ज करने पर करीब 500 से 600 किलोमीटर की रेंज देंगे। होंडा जुलाई में अपनी नई फ्लैगशिप हाइब्रिड एसयूवी, जेडआर-वी लान्च करने वाली है। यह प्रीमियम गाड़ी 2.0-लीटर पेट्रोल हाइब्रिड इंजन, 22.80 किमी प्रति लीटर का माइलेज, पैनोरमिक सनरूफ और एडीएएस (अडास) जैसी एडवांस्ड टेक्नोलाजी से लैस होगी। निसान की नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टान (निसान टेक्टान) का 9 जुलाई को ग्लोबल डेब्यू होगा, जो आगामी रेनाल्ट डस्टर का निसान वर्जन है। इसमें 1.0-लीटर और 1.3-लीटर के टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ बड़ी टचस्क्रीन, वेंटिलेटेड सीट्स और पैनोरमिक सनरूफ जैसे फीचर्स होंगे। आफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए टोयोटा अपनी नई जनरेशन की हिल्क्स (टोयोटा हाईलक्स) पिक-अप एसयूवी को जुलाई या अगस्त में लान्च कर सकती है। यह अपडेटेड आईएमवी (आईएमवी) प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें पुराना व भरोसेमंद 2.8-लीटर का डीजल इंजन मिलना जारी रहेगा। किआ अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी सायरोस (किआ सिरोस ईवी) का इलेक्ट्रिक अवतार अगस्त तक मार्केट में उतारने वाली है।

सोना 2000 और चांदी 6000 रुपए से अधिक टूटी, सोना 1,47,278 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,32,371 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

सोने और चांदी के वायदा भावों में शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त वायदा 2,000 रुपये से अधिक और चांदी का जुलाई वायदा 6,000 रुपये से ज्यादा टूटकर कारोबार कर रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुएं कमजोर नजर आईं, जिसका सीधा असर भारतीय बाजारों पर पड़ा।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कान्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने तक 2,031 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,278 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह 2,134 रुपये की गिरावट के साथ 1,47,175 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,49,309 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,47,737 रुपये का उच्च और 1,47,040 रुपये का निम्न स्तर छुआ।

इस साल सोने ने 1,80,779 रुपये का सर्वोच्च स्तर भी देखा है। चांदी के जुलाई वायदा अनुबंध में भी तेज गिरावट जारी रही। एमसीएक्स पर यह खबर लिखे जाने तक 6,493 रुपये की कमी के साथ 2,31,079 रुपये प्रति किलोग्राम पर था।

चांदी 5,201 रुपये की गिरावट के साथ 2,32,371 रुपये पर खुली थी, जबकि पिछला बंद भाव 2,37,572 रुपये था। चांदी ने 2,33,166 रुपये का दिन का उच्च और 2,30,621 रुपये का निम्न स्तर बनाया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये किलो के उच्चतम स्तर को छू चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कामेक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भावों में सुस्ती बरकरार रही। खबर लिखे जाने के समय, सोना 63.40 डालर की गिरावट के साथ 4,182.50 डालर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 1.88 डालर की कमी के साथ 64.43 डालर प्रति औंस पर थी। इस साल सोने का सर्वोच्च स्तर 5,586.20 डालर और चांदी का 121.79 डालर प्रति औंस रहा है।

ई-दोपहिया वाहनों पर खत्म होगी 5,000 की सब्सिडी

आवंटन लगभग समाप्त, बजाज आटो ने 22 जून की डेडलाइन तय की

नई दिल्ली

देश में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को जल्द ही अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार की पीएम ई-ड्राइव सब्सिडी योजना अपने अंतिम चरण में है, क्योंकि इसके तहत आवंटित राशि लगभग समाप्त हो चुकी है। इस स्थिति को देखते हुए, प्रमुख इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं ने अपने डीलरों को सभी लंबित सब्सिडी दावों को तत्काल जमा करने का निर्देश दिया है, जिससे

सब्सिडी समाप्त होने से पहले अधिकतम वाहनों को इसका लाभ मिल सके। सूत्रों के अनुसार सब्सिडी समाप्त होने के बाद ग्राहकों को ई-दोपहिया के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी। बजाज आटो ने 15 जून को अपने चेतक डीलरों को सभी लंबित दावों को तुरंत अपलोड करने का निर्देश दिया था, साथ ही अंतिम तारीख के बाद सब्सिडी रहित वाहनों की कीमतों की घोषणा की बात कही। टीवीएस मोटर और हीरो मोटोकार्प सहित अन्य कंपनियों ने भी अपने डीलरों को इसी तरह के निर्देश दिए हैं। भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा सितंबर 2024 में शुरू की गई पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत, 1.5 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई-दोपहिया पर प्रति वाहन 5,000 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलता है। इस योजना का लक्ष्य 24.79 लाख वाहनों को सब्सिडी देना था। आंकड़ों के अनुसार, 15 जून तक लगभग 23.29 लाख वाहनों को पहले ही प्रोत्साहन मिल चुका है, जिससे केवल लगभग 1.5 लाख वाहनों के लिए सब्सिडी भुगतान मिलना बाकी है।

आईफोन समेत एपल के प्रोडक्ट्स महंगे होंगे: टिम कुक बोले- चिप की कमी से लागत बढ़ी, कीमतें बढ़ाना मजबूरी; अन्य कंपनियां बढ़ा चुकीं दाम

सैन फ्रांसिस्को। टेक कंपनी एपल जल्द ही आईफोन और अपने अन्य प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ा सकती है। कंपनी के ष्टश्वह टिम कुक ने द वाल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि दुनियाभर में चल रही मेमोरी और स्टोरेज चिप की कमी के कारण कंपोनेंट्स की लागत बहुत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि, एपल अभी तक उन कंपनियों में से एक थी, जिसने मेमोरी संकट के बावजूद लान्चिंग के बाद अपने स्मार्टफोन की कीमतें नहीं बढ़ाई थीं। अब तक कंपनी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद उठा रही थी, लेकिन सप्लायर्स की तरफ से बढ़ते दबाव के कारण कीमतें बढ़ाना मजबूरी हो गया है। आईफोन 18 सीरीज महंगी हो सकती है, अन्य ब्रांड्स बढ़ा चुके दाम हाल ही में ऐसी रिपोर्ट आई थीं कि ज्यादा रैम होने के बावजूद नेक्स्ट जनरेशन के आईफोन 18 की कीमतों में बढ़ोतरी नहीं होगी, लेकिन टिम कुक के बयान ने इन कयासों को बदल दिया है। स्मार्टफोन इंडस्ट्री में कुछ महीनों से लगातार महंगाई देखी जा रही है। शाओमी, वनप्लस, ओप्पो जैसे अन्य बड़े ब्रांड्स ने अपने हैंडसेट्स के दाम बढ़ाए हैं। इसके विपरीत एपल ने अपने फ्लैगशिप माडल्स की शुरुआती कीमतों को स्थिर रखकर बाजार में अपनी पकड़ बनाई थी, लेकिन अब इस रणनीति को बरकरार रखना मुश्किल हो रहा है।